वर्ष 29 अंक 48
पृष्ठ 16
बरेली, सोमवार
30 अक्टूबर 2017
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00

दैनिक जागरण

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

PAGE NO. 04 BOTTOM LEFT

चिकित्सा एसआरएमएस में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन

मधुमेह ग्रसित गर्भवती को इंसुलिन फायदेमंद

जागरण संवाददाता, बरेली : भोजीपुरा स्थित श्री राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के जनरल मेडिसिन विभाग एवं एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस के सहयोग से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का रविवार को समापन हो गया। अंतिम दिन चार सत्रों में वक्ताओं ने रियूमेटोलॉजी, स्टैंडर्ड केयर, न्यूरोलॉजी, इंफक्शियस डिजीज आदि विषयों पर व्याख्यान दिए।

केजीएमयू लखनऊ से आए डॉ. अनुपम वार्ष्णेय ने गठिया रोग के बारे में बताया। कहा कि इस रोग का जल्द निदान कर उपचार शुरू कर देने से जोड़ों का टेढ़ापन बच जाता है। लखनऊ के ही डॉ. सुभाष यादव ने आस्टियोपोरोसिस की बीमारी में डैक्ट्रा स्कैन की जरूरत को बताया और इलाज की विभिन्न दवाओं की जानकारी दी। मेरठ मेडिकल कॉलेज से आई डॉ. आभा गुप्ता ने डायबिटीज और प्रेग्नेंसी विषय पर चर्चा की। बताया कि डायबिटीज के मरीजों में प्रेग्नेंसी होने पर इंसुलिन का इस्तेमाल सबसे अच्छा माना जाता है। शहर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एके चौहान ने गर्भावस्था में दिल के रोगों का इलाज करने में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। बीएचयू, बनारस से आए डा. विनोद दीक्षित ने गर्भावस्था में पीलिया होने पर इलाज के तरीकों को बताया। एसआरएमएस के मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. शरत जौहरी ने वरटाईगो एवं सिर में दर्द के बारे में जानकारी दी।

नोएडा के डॉ. कपिल सिंघल ने फालिज (स्ट्रोक) के मरीजों में मस्तिष्क की धमनी में खून के थक्के को घोलने की दवा के बारे में बताया। केजीएमयू के डॉ. डी हिमांशु ने एंटीबायोटिक के प्रयोग एवं दुष्प्रभाव की जानकारी दी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के डॉ. शोयब जहीर ने बुखार एवं न्यूट्रोपीनिया के मरीजों के लक्षण, कारण एवं इलाज के बारे में बताया। संस्थान के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एमपी रावल ने बताया कि देश में हार्ट अटैक से मरने वालों की संख्या सबसे अधिक है।

यद्यपि बीते वर्षों में आधुनिक तकनीकों ने मृत्युदर को कम किया है। यह गिरावट पिछले 4-5 वर्षों से स्थिर हो गई है। श्री राममूर्ति हास्पिटल ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल हास्पिटल द्वारा जनमानस को इस बीमारी के रिस्क फैक्टर एवं लक्षणों के बारे में जागरूक कर रहा है। मुख्य आयोजक सचिव डॉ. स्मिता गुप्ता ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य के लिए निश्शुल्क स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं कैंप किए जा रहे हैं। कांफ्रेंस में देश-विदेश के चार सौ से अधिक चिकित्सकों, पीजी छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान चेयरमैन देव मूर्ति, प्रशासनिक निदेशक आदित्य मूर्ति, प्राचार्य डॉ. आरसी पुरोहित, एमएस ब्रिग्रेडियर डॉ. एसके हांडा समेत विभागाध्यक्ष, चिकित्सक, पीजी छात्रों, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

एसआरएमएस में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के समापन पर जुटे विषय विशेषज्ञ व वक्ता • जागरण